यत् शब्दरूप पुल्लिंग

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	यः	यौ	ये
द्वितीया	यम्	यौ	यान्
तृतीया	येन	याभ्याम्	यैः
चतुर्थी	यस्मै	याभ्याम्	येभ्यः
पंचमी	यस्मात्	याभ्याम्	येभ्यः
षष्ठी	यस्य	ययोः	येषाम्
सप्तमी	यस्मिन्	ययोः	येषु

यत्(पुल्लिंग) शब्दरूप का हिन्दी अर्थ

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	य:	यौ	ये
	(जो)	(जो दोनों)	(जो सब)
द्वितीया	यम्	यौ	यान्
	जिसको	जिन दोनों को	जिन सब को
तृतीया	येन	याभ्याम्	यै:
	जिसने/जिससे/ जिसके द्वारा	जिन दो से/ने/ जिन दो के द्वारा	जिन सब से/ जिन सब ने/ जिन सब के द्वारा

यत्(पुल्लिंग) शब्दरूप का हिन्दी अर्थ

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
चतुर्थी	यस्मै	याभ्याम्	येभ्य:
	(जिसके लिए)	(जिन दोनों के लिए)	(जिन सब के लिए)
पंचमी	यस्मात्	याभ्याम्	येभ्य:
	जिससे	जिन दोनों से	जिन सब से
षष्ठी	यस्य	ययो:	येषाम्
	जिसका/जिसके/ जिसकी	जिन दो का/ जिन दो की/ जिन दो के	जिन सब का जिन सब के / जिन सब की

यत्(पुल्लिंग) शब्दरूप का हिन्दी अर्थ

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
सप्तमी	यस्मिन्	ययो:	येषु
	(जिसमें इस के ऊपर)	(जिन दोनों में)	(जिन सब में)
पंचमी	यस्मात्	याभ्याम्	येभ्य:
	जिससे	जिन दोनों से	जिन सब से
षष्ठी	यस्य	ययो:	येषाम्
	जिसका/जिसके/ जिसकी	जिन दो का/ जिन दो की/ जिन दो के	जिन सब का जिन सब के / जिन सब की